Result Mitra IAS/PCS Daily Magazine Content

केन–बेतवा नदी जोड़ो राष्ट्रीय परियोजना

➢ हालिया संदर्भ :

- हाल ही में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 25 दिसंबर को पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की 100वीं जयंती पर "केन–बेतवा नदी जोड़ो राष्ट्रीय परियोजना" की आधारशिला रखी।
- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मध्य प्रदेश के खजुराहो में "केन–बेतवा नदी जोड़ो राष्ट्रीय परियोजना" की आधारशिला रखते हुए कहा कि यह परियोजना मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश दोनों राज्यों के लिए काफी महत्वपूर्ण होगी।
- हालांकि कांग्रेस द्वारा यह कहकर इस परियोजना की आलोचना की गई कि इससे "पन्ना टाइगर रिजर्व" के लिए खतरा उत्पन्न होगा।

➢ क्या है केन–बेतवा लिंक परियोजना (KBLP) :

- * केन–बेतवा लिंक परियोजना (KBLP), भारत सरकार द्वारा वर्ष 1980 में नदियों को जोड़ने के लिए बनाई गई राष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य योजना (NPP, National Perspective Plan) के तहत देश की पहली नदी जोड़ो परियोजना है।
- इस KBLP के तहत केन नदी से बेतवा नदी में पानी स्थानांतरित करने की परिकल्पना की गई है।
- केन और बेतवा दोनों नदी यमुना नदी की सहायक नदी है।
- इस परियोजना के तहत केन–बेतवा लिंक के लिए 221 किलोमीटर लंबी नहर बनाई जाएगी, जिसमें 2 किलोमीटर लंबी सुरंग भी शामिल है।
- केंद्रीय जल शक्ति मंत्रालय के अनुसार इस परियोजना के तहत लगभग 10.62 लाख हेक्टेयर भूमि को वार्षिक सिंचाई सुविधा प्रदान की जाएगी।
- इस परियोजना के तहत कुल 10.62 लाख हेक्टेयर कृषि भूमि क्षेत्र में 8.11 लाख हेक्टेयर भूमि मध्य प्रदेश की एवं 2.51 लाख हेक्टेयर भूमि उत्तर प्रदेश की शामिल होगी।

- इसके अलावा इस परियोजना के तहत 62 लाख लोगों को पीने के पानी की आपूर्ति, 103 मेगावाट की जल विद्युत उत्पादन और 27 मेगावाट सौर ऊर्जा का उत्पादन की जाएगी।
- केंद्रीय मंत्रिमंडल द्वारा दिसंबर 2021 में KBLP परियोजना के लिए 44,605 करोड़ रुपए की मंजूरी दी गई थी।
- केन–बेतवा लिंक परियोजना को दो चरणों में पूरा किया जाएगा।
- इस परियोजना के पहले चरण के तहत दौधन बांध परिसर और इसकी सहायक इकाइयों जैसे निम्न स्तरीय सुरंग, उच्च स्तरीय सुरंग, केन–बेतवा लिंक नहर और बिजली घरों का निर्माण शामिल है।
- परियोजना के दूसरे चरण के तहत लोअर ऑर बांध, बीना कॉम्पलेक्स परियोजना और कोढा बैराज का निर्माण शामिल है।
- परियोजना के पहले चरण के तहत बनाए जाने वाले दौधन बांध की कुल लंबाई 2031 मीटर होगी जिसमें 1233 मीटर बांध मिट्टी का एवं शेष 798 मीटर बांध कंक्रीट से तैयार किया जाएगा।
- इस बांध की कुल ऊंचाई 77 मीटर होगी।
- इस परियोजना के तहत बनाए जाने वाले "दौधन बांध" बनाने की जिम्मेदारी इंफ्रास्ट्रक्चर कंपनी एनसीसी लिमिटेड को सौंपी गई है।
- जल शक्ति मंत्रालय के अनुसार इस परियोजना को 8 वर्षों में यानि 2033 तक लागू करने का प्रस्ताव है।
- ** इस परियोजना के लिए 22 मार्च 2021 में केंद्रीय जल शक्ति मंत्रालय और मध्य प्रदेश तथा उत्तर प्रदेश के सरकारों के बीच एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किया गया था।

➢ KBLP परियोजना की संकल्पना कैसे की गई ?

- वर्ष 2005 में केन नदी को बेतवा नदी से जोड़ने के विचार को लेकर केंद्र और मध्य प्रदेश तथा उत्तर प्रदेश के बीच एक विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (DPR) तैयार करने के लिए एक त्रिपक्षीय समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किया गया।
- ** वर्ष 2008 में केंद्र सरकार द्वारा KBLP को एक राष्ट्रीय परियोजना घोषित किया गया तथा बाद में इसे सूखाग्रस्त बुंदेलखंड क्षेत्र के विकास के लिए प्रधानमंत्री के पैकेज के हिस्से के रूप में शामिल किया गया।
- अप्रैल 2009 में यह निर्णय लिया गया कि इस परियोजना के लिए विस्तृत परियोजना रिपोर्ट दो चरणों में तैयार की जाएगी।
- इस विस्तृत परियोजना को अक्टूबर 2018 में उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश और केंद्रीय जल आयोग को भेजा जाएगा।

➢ इस परियोजना से किन क्षेत्रों को फायदा होगा ?

- यह परियोजना बुंदेलखंड में स्थित है जो उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश के 13 जिलों में फैला है।
- जल शक्ति मंत्रालय के अनुसार इस परियोजना से पानी की कमी वाले क्षेत्र विशेषकर मध्य प्रदेश के पन्ना, टीकमगढ़, छतरपुर, सागर, दमोह, दतिया, विदिशा, शिवपुरी, रायसेन, बांदा और महोबा जिले सहित उत्तर प्रदेश के झांसी और ललितपुर जिलों को अत्यधिक लाभ होगा।

➢ परियोजना के संभावित पर्यावरणीय और सामाजिक प्रभाव क्या है ?

- KBLP नदी जोड़ो परियोजना का सबसे बड़ा पर्यावरणीय प्रभाव पन्ना राष्ट्रीय उद्यान और टाइगर रिजर्व के मध्य में बड़े पैमाने पर वनों की कटाई शामिल है।

- आईआईटी–बॉम्बे के वैज्ञानिकों द्वारा पिछले वर्ष प्रकाशित एक अध्ययन में पाया गया कि नदी जोड़ो परियोजना के हिस्से के रूप में बड़ी मात्रा में पानी ले जाने से भूमि और वायुमंडल की परस्पर क्रिया और प्रतिक्रिया प्रभावित हो सकती है, जिससे सितंबर माह में होने वाली औसत वर्षा में 12% तक की कमी हो सकती है।
- इस परियोजना का सबसे ज्यादा प्रभाव पन्ना टाइगर रिजर्व को होगा क्योंकि इस परियोजना के तहत बनाए जाने वाले दौधन बांध जो पन्ना राष्ट्रीय उद्यान के अंदर बनाना प्रस्तावित है, के कारण इस राष्ट्रीय उद्यान का लगभग 98 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र जलमग्न हो जाएगा।
- इसके अलावा यह परियोजना पन्ना टाइगर रिजर्व के बाघों के सफल पुनरुत्पादन को खत्म कर सकती है।
- ज्ञातव्य है कि पन्ना टाइगर रिजर्व से 2009 में बाघ स्थानीय रूप से विलुप्त हो गए थे जिसे पुनरुत्पादन के माध्यम से वापस लाने का काम किया गया था।
- सुप्रीम कोर्ट के केंद्रीय अधिकार प्राप्त समिति (CEC) ने इस परियोजना की जांच करते समय अपने नोट में कहा था कि पन्ना राष्ट्रीय उद्यान के निचले हिस्से में प्रस्तावित दौधन बांध, केन घड़ियाल अभ्यारण में घड़ियाल आबादी के साथ-साथ गिद्धों के घोंसले वाले स्थानों को भी प्रभावित कर सकती है।
- इस परियोजना के तहत प्रस्तावित दौधन बांध के बनने एवं इससे संबंधित अधिग्रहण के कारण छतरपुर जिले के 5228 परिवार और पन्ना जिले के 14,000 परिवार विस्थापित होंगे, जिसके कारण परियोजना के अधिग्रहण प्रक्रिया को लेकर काफी विरोध प्रदर्शन भी हुए हैं।

➢ राष्ट्रीय नदी जोड़ो परियोजना :

- भारतीय नदियों को आपस में जोड़ने की "राष्ट्रीय नदी जोड़ो परियोजना" एक सिविल इंजीनियरिंग आधारित परियोजना है जिसका मुख्य उद्देश्य भारत में जल संसाधनों का प्रभावी प्रबंधन करके जलाशयों और नहरों का उपयोग करके नदियों को जोड़ना है।
- ** भारत में नदियों को जोड़ने का सुझाव पहली बार औपनिवेशिक काल में वर्ष 1919 में ब्रिटिश जनरल और मद्रास प्रेसीडेंसी के चीफ इंजीनियर "सर आर्थर कॉटन" ने दिया था।
- इसके बाद वर्ष 1960 में तत्कालीन केंद्रीय ऊर्जा और सिंचाई मंत्री के एल राव ने "राष्ट्रीय जल ग्रिड" बनाने के प्रस्ताव के साथ गंगा और कावेरी नदी को जोड़ने का सुझाव दिया।
- ** इसके बाद अगस्त 1980 में तत्कालीन सिंचाई मंत्रालय द्वारा राष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य योजना (NPP) नामक रिपोर्ट तैयार की गई जिसमें जल अधिशेष बेसिन से जल घाटे वाले बेसिनों में जल स्थानांतरित करने की बात कही गई।

- तत्पश्चात वर्ष 1982 में तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी द्वारा "नेशनल वाटर डेवलपमेंट एजेंसी" का गठन किया गया।
- ** नेशनल वाटर डेवलपमेंट एजेंसी (NWDA) यानि राष्ट्रीय जल विकास एजेंसी द्वारा 30 नदी लिंक की पहचान की गई (जिसमें प्रायद्वीप घटक के तहत 16 और हिमालयी घटक के तहत 14 नदियां शामिल है)।
- वर्ष 1999 की NDA सरकार द्वारा नदियों को आपस में जोड़ने के विचार को पुनर्जीवित किया गया।

➢ केन एवं बेतवा नदी :

- केन एवं बेतवा दोनों यमुना की सहायक नदी है।
- केन नदी जिसका उद्गम स्थल कैमूर पर्वतमाला है, मध्य प्रदेश से निकलकर उत्तर प्रदेश के बांदा जिले में यमुना नदी से मिल जाती है।
- केन नदी बुंदेलखंड की बहने वाली प्रमुख नदी है।
- बेतवा नदी जिसका प्राचीन नाम 'वेत्रवती' है, की उत्पति मध्य प्रदेश के रायसेन जिले में विंध्याचल पर्वत से होती है।
- मध्यप्रदेश और उत्तर प्रदेश से बहने वाली इस नदी को बुंदेलखंड की गंगा कहा जाता है।
- बेतवा नदी मध्य प्रदेश के रायसेन जिले से होते हुए भोपाल, विदिशा सहित उत्तर प्रदेश के झांसी और ललितपुर जिले में बहती है।
- बेतवा नदी उत्तर प्रदेश के हमीरपुर में 590 किलोमीटर यात्रा के साथ यमुना में मिल जाती है।

MCQ–1 : "केन–बेतवा लिंक परियोजना" संबंधी निम्न कथनों पर विचार कीजिए–

1. "केन–बेतवा लिंक परियोजना" वर्ष 1980 की राष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य योजना (NPP) के तहत है।
2. केन और बेतवा नदी यमुना की सहायक नदी है।
3. इस परियोजना के तहत 200 मेगावाट पनबिजली उत्पादन किया जाएगा।
4. इस परियोजना के तहत प्रस्तावित दौधन बांध का निर्माण, पन्ना राष्ट्रीय उद्यान के अंदर होना है।

उपरोक्त कथन में कौन सा कथन सही नहीं है ?

a) 1 और 3
b) 1, 2 और 4
c) केवल 3
d) 1 और 4

Ans.–(c)

MCQ–2 : औपनिवेशिक काल में भारत के नदियों को जोड़ने का सुझाव सबसे पहले किसने दिया था ?

a) जॉन एलन
b) जेम्स एटकिंसन
c) जॉर्ज फ्रेडरिक आर्मस्ट्रांग
d) सर आर्थर कॉटन

Ans.–(d)

हम आपको रिजल्ट देने आये हैं.
Result Mitra
1- UPSC(IAS) COMPLETE GS -5999 ₹.
2- NCERT for IAS/PCS -2499 ₹
3- ESSAY for IAS/PCS- 2199 ₹
4- UPSC PRELIMS TEST SERIES - 1399 ₹
5- सभी राज्यों के लिए टेस्ट सीरीज - 1399 ₹
कोर्स या Test Series के लिए
WhatssApp कीजिये
9235313184, 9235446806